भारत सरकार

सूचना और प्रसारण मंत्रालय

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या 3034

(दिनांक 11.03.2026 को उत्तर देने के लिए)

इंडियन इंस्टिट्यूट ऑफ क्रिएटिव टेक्नोलॉजीज

3034. श्रीमती महिमा कुमारी मेवाड़:
श्री लावू श्रीकृष्णा देवरायालू:
श्री कोटा श्रीनिवास पूजारी:
श्रीमती अपराजिता सारंगी:
श्री हरीभाई पटेल:
क्या सूचना और प्रसारण मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) इंडियन इंस्टिट्यूट ऑफ क्रिएटिव टेक्नोलॉजीज़ (आईआईसीटी), मुंबई द्वारा एनीमेशन, विज़ुअल इफेक्ट्स, गेमिंग, कॉमिक्स और एक्सटेंडेड रियलिटी (एवीजीसी-एक्सआर) के लिए राष्ट्रीय उत्कृष्टता केन्द्र (एनसीओई) के रूप में की गई प्रगति सहित अवसंरचना, आरंभ किए गए पाठ्यक्रमों और नामांकित छात्रों का ब्यौरा क्या है;

(ख) राजस्थान के राजसमंद लोक सभा निर्वाचन क्षेत्र सहित इनक्यूबेट किए गए स्टार्टअप सहित गूगल, मेटा, एनवीआईडीआईए के साथ भागीदारियों का राज्य-वार ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या कौशल विकास और उद्योग संरेखण पर पड़ने वाले प्रभाव का मूल्यांकन किया गया है; और

(घ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

सूचना और प्रसारण एवं संसदीय कार्य राज्य मंत्री

(डॉ. एल. मुरूगन)

(क) से (घ): इंडियन इंस्टिट्यूट ऑफ क्रिएटिव टेक्नोलॉजीज़ (आईआईसीटी), मुंबई, सूचना और प्रसारण मंत्रालय द्वारा महाराष्ट्र सरकार, भारतीय वाणिज्य एवं उद्योग महासंघ (फिक्की) तथा भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) के सहयोग से स्थापित एक राष्ट्रीय उत्कृष्टता केंद्र है जिसका उद्देश्य एनिमेशन, विज़ुअल इफेक्ट्स, गेमिंग, कॉमिक्स और एक्सटेंडेड रियलिटी (एवीजीसी-एक्सआर) क्षेत्र में नवाचार और क्षमता निर्माण को बढ़ावा देना है। संस्थान वर्तमान में आईआईसीटी-नेशनल फिल्म डेवलपमेंट कॉरपोरेशन (एनएफडीसी) परिसर से संचालित है।

फिल्म सिटी, गोरेगांव, मुंबई में एक स्थायी परिसर का विकास कार्य प्रगति पर है। संस्थान अब आधुनिक कक्षाओं, इमर्सिव स्टूडियो तथा ध्वनि और संपादन के लिए विशेषीकृत सुविधाओं के साथ संचालित है, ताकि शैक्षणिक अधिगम और उद्योग सहयोग दोनों प्राप्त हो सके। अब तक एवीजीसी-एक्सआर क्षेत्र के विभिन्न डोमेन में 18 विशिष्ट पाठ्यक्रम प्रारंभ किए जा चुके हैं, जिनमें 136 छात्रों का नामांकन हुआ है। इसके अतिरिक्त, 'ट्रेन-द-ट्रेनर' पहल के अंतर्गत 15 प्रतिभागियों ने सफलतापूर्वक प्रशिक्षण पूरा किया है।

आईआईसीटी ने एवीजीसी-एक्सआर क्षेत्र में कौशल विकास तथा प्रौद्योगिकी क्षमताओं को सुदृढ़ करने के लिए वैश्विक प्रौद्योगिकी की अग्रणी संस्थाओं के साथ सहयोग स्थापित किया है। ये सहयोग भारत के विभिन्न हिस्सों से आईआईसीटी में नामांकित क्रिएटर्स को लाभान्वित करेंगे। इसके अतिरिक्त, संस्थान की इन्क्यूबेशन पहलों के अंतर्गत समर्थित स्टार्टअप देश के विभिन्न भागों से हैं और वर्तमान में 11 स्टार्टअप्स को सहायता प्रदान की जा रही है।

प्रगति की समीक्षा करने तथा रणनीतिक मार्गदर्शन प्रदान करने के आईआईसीटी ने उद्योग विशेषज्ञों की भागीदारी के साथ परामर्श परिषदों नामत: शैक्षणिक परिषद, उद्योग विकास परिषद, अनुसंधान एवं विकास परिषद तथा कौशल परिषद की भी स्थापना की है।

****